

1.584

ASHA ARCHIVES

ASHA ARCHIVES

1.584

1.584

RECEIVED

ASHA ARCHIVES

ॐ जम्भतल्यस्य स्वाहा ॥ कौं विदा तल्यस्य स्वाहा ॥ सौ शिवा
ल्यस्य स्वाहा ॥ स्नान काया व शुभ्र नमः काल ॥ जम्भदमं
दना कालं स्वादि ॥ शुभ्र बुद्ध्या शुभ्र विष्णु शुभ्र द
वमदा श्वनि शुभ्र दवयद बुद्ध्या तस्मिं श शुभ्र वेन
म ॥ चाम ॥ ॐ जम्भा जम्भा यद् रुत ॥ ॐ कनिह काय
वाना याम ॥ य १० ॥ ल १२ ॥ व १३ ॥

यादुका ॥ कौं जना मि काय यदुका ॥ सौ मध्मा माय या
दुका ॥ ॐ तजनि यादुका ॥ कौं जम्भा य यादुका ॥
सौ जम्भा जम्भा २ यादुका ॥ ॐ ददया य यादुका ॥ कौं शि
नस्य स्वाहा ॥ सौ शिवा य वोषद् ॥ ॐ कववा यद् ॥ कौं न
ततया य वोषद् ॥ सौ जम्भा जम्भा २ रुत ॥ जलया तय

ॐ ॥ गंगदिक्कसा गवता नमः ॥ वचना कृतपुत्र्यं नमः
अनुमूदादस्य ॥ अयतिनदा य ॥ ॐ वरुणा ॥ आसन
तय ॥ अनिमृदनाय नमः ॥ श्वमर्मदुलाय नमः ॥ संशु
क्रमलुनाय नमः ॥ गंगवज्रमययेव गदाव निम
लसूटिनिमलसिंदुकावदि, जनेलमिनिर्विक्रुः
७ तिवृनादवि विमदकाभ श्व नि विमदतं श्रयथादया ॥

अद्यथयन ॥ उद्यवचना कृतपुत्र्यं नमः ॥ ॐ वरुणा
स ॥ अनुमूदा आनिमूदा दस्य ॥ जननया कन ॥ स
कलेहाय ॥ अद्यवतपूजा ॥ आसन ॥ अनिमृदनाय
नमः ॥ श्वमर्मदुलाय नमः ॥ संशुक्रमदनाय नमः ॥ थ
न ॥ वक्रालुखंदसंकुटं मखनसर्मवितं आयसितं

महायात पिउ खलु समापवद ॥ मूनना विह्वल ॥
ननया कून कववे नता दन ॥ मूनन रुय नया ॥ वनि
॥ श्रुमं प्रमं नृखादा ॥ वदुना कृत्युयं नम ॥ आनिम
मडादसय ॥ कुतसुदि ॥ त्रिकुं सीयादकी ॥ ३ ॥ शुन
नयनत्यादि ॥ शिखय यादका ॥ ३ दिवय यादका ॥ ३

माना य यादका ॥ आमयुजा ॥ वदनम ॥ शिद्वनम
अक्षतं नम ॥ दूर्यं नम ॥ कर्म यादका ॥ स्थानकाया
तिष्ठामुद्धान ॥ मादायमवनाटस्य कनूनी नतवि
गदसर्वगुहिनमात ॥ अद्वियनम श्वनि ॥ आवाहक
आवाहयामि ॥ अहा शक्त २ ॥ दाटिथ ॥ मूलन रुय

महावनि. विय ॥ अगि कुगने श्वनाय वनि द्वा २ स्वा
दा ॥ आइ कुन वतु कना थाय वलि द्वा २ स्वादा ॥ द्वा कि
कत या नाय वनि द्वा २ स्वादा ॥ अय. दिय. ने वद
तम ॥ जाय मुनन २० ॥ तोता ॥ अरव दमंदु ना काल
ह्यादि ॥ माया कुदु लनियादि ॥ अनित सुल नना

टिलम वसुल नमम सुमा का न लहा वन न द्वा २ य
नम अलि कुम ॥ तयन नम आना थाय नम ॥ हि
एान विना थाय नम ॥ आकु र सुना थाय नम ॥ वनि थाय ॥ x
कोय अखि थाय नित कम दवाय न पूजा न मि टि थ मा
वि आ सूर्याय नम ॥

ॐ नमो माहादेवे नवाय ॥ शुभ नमस्काल ॥ अ
खिन्दमलुनाकारं त्यादि ॥ शुभ वृक्षाग्न वि
शुभ नृदेवामदध्वन शुभ नृदेव वज्रग भवन्त ॥
नमो श्री शुभ नम ॥ श्री श्री शुभ नम भगि शु
नृयमाचार्य श्री श्री शुभ नृ आदि देव वयाद्का ॥
ने

यद्वा सनाय यद्वा की ॥ कृमा सनाय यद्वा की ॥
आत्मा सनाय यद्वा की ॥ किनि रवि र्वका क ना
यद्वा अस्माय ॥ रुद्र यद्वा की ॥ नृद्र रुद्र वज्र यद्वा
न स्वादा ॥ नृवन मकुल कृ नम वन जा दृ रुद्र
स्वादा ॥ नृजा श्री द्रु द्रु ज न न काय अस्मा यद्वा

रुटयाद्कां॥ कनखवनं॥ उँकनिष्ठा यनम॥
 दौं अनामिकायस्वदा॥ श्रीमश्चमायवावट॥
 कुँ नकुँ नेदं॥ श्री अनामिकायस्वदा॥ श्रीमश्च
 मायवावट॥ श्री अशुसायववट॥ कनिष्ठाः
 दिअशुसानं॥ नामविलाभनकनंथास॥ उँद

दर्याय नमः॥ द्रौणिभिरुससाह॥ श्राद्धिवायवाव
द्रा॥ द्विकवचायद्ग॥ क्षोत्रयायवषट्॥ अंजसु
यरुर्द॥ यउदि रुवानायकागिकाकैर्न॥ अ
शान्नास॥ त्रयश्चिमवक्राय नमः॥ द्रौडुरुवक्राय
नमः॥ श्रोदक्षीनवक्राय नमः॥ सुपूर्ववक्राय न

म॥ ह्रीं उद्भवकुयनम॥ नंदं ह्रीं ह्रीं ह्रीं उद्भ
वकुयनम॥ ॐ निवर्क्यास॥ जनार्दन॥ अर्चया
प्रयुजा॥ रुद्रश्चिद्वि॥ आत्मयुजा॥ विद्मन्तय॥ कृष्ण
पादका३॥ आवाहन॥ सर्वज्ञा॥ ज्ञानायनायलाहवि
॥ केचनिस्रस्त्रनि॥ ॥ शुक्लैकगतास्तोम्योः

आया नु ॐ ह म न ॥ वे म सा स ना य या द कां ॥
 म यू ना स ना य या द कां ॥ न ना स ना य या द कां ॥ मि
 हा स ना य या द कां ॥ य सा स ना य या द कां ॥ ग र्ग
 गूं गूं गूं गूं गूं गूं आ क न ग न भ ना य या द कां ॥
 व लि ग द्वा र स्वा हा ॥ वूं वूं वूं वूं वूं वूं आ क न य

वठुकनाथययादुकां॥वलिंगद्र२खादा॥धुंन
थदिवधमोदविमाहालकृणयानाययादुकां॥
वलिंगद्र२खादा॥धुंन॥धुंन॥धुंन॥धुंन॥धुंन॥
कां॥वलिंगद्र२खादा॥जाओ॥गिनिजम्मायादु
कां॥वलिंगद्र२खादा॥आवाहनादि४चदनाक

गवास्यनम॥गजदंष्ट्रनर्जनाविन्द॥आनिमूढाः
दर्भयन्॥यादुकायूजा॥यादुकासनाययादुका
॥अभुंनकामाहाविद्यायि०नकयूष्यनकामहाम
लुलयि०नकवनूनकामहामनुयि०नकादिः
यनकामहामूढायि०नकनटिनकामहावृका

सनि, यना म्मी, यादुका पूजयामि ॥ दक्षिण ॥ १ ॥
सूक्त, माहा विद्यायि ०, सूक्त वृत्त्य, सूक्त महा मनु ले
यि ०, सूक्त चतु, सूक्त माहा मनु यि ०, सूक्त दिव,
सूक्त, माहा मन्त्रायि ०, सूक्त नदि सूक्त, माहा पुका
सानन्द नाथ, क्षो सूक्त, यादुका, पूजयामि ॥ ३ ॥

॥ ३ ॥ ॐ मूकानन्द थ, मूका यना म्मी यादुका ॥
दद्यादिख ठं म्म नृसं पूज ॥ धन नवलि ॥ तगान
वात्मा पूजयन् ॥ १ ॥ क्षो माहा पुना सं नाय क्षो यादु
का ॥ १ ॥ ॐ त्रि ॥ १ ॥ ॐ नवात्मा नन्द नाथ, ॐ म
यादया य म्म नृमन्द नाय यादुका ॥ नवात्मा दद

यादिषु तं गनसंयुजयत् ॥ धनवलि ॥ मंरुझीसा
नन्दनाथयादुर्का ॥ हं नकुत्रिसानन्दनाथयादुः
का ॥ कंसंवल्लनन्दनाथयादुका ॥ मंमहाका ना
नन्दनाथयादुका ॥ लंयिनाका नन्दनाथया
दुका ॥ वषाजिसानन्दनाथयादुका ॥ नकुजं गि

श्री
सानन्दनाथयादुर्का ॥ यंवानिनासानन्दनाथया
दुर्का ॥ डंरुधिमानन्दनाथयादुर्का ॥ प्रियाऊ
नि ॥ गदुमा ॥ श्रीनवात्मानन्दनाथयादुर्का ॥ खं तं ग
नसंयुजयत् ॥ धमकुनवलि ॥ नगामकुवि
थयुजयत् ॥ नमकुविथसनायत् ॥ नमकुदव

[illegible]

कुदवगाय. जम्मायादुकां॥ खर्त ज्य नर्स मूजयशा
थमकु नवनि॥ गगाउ यचलु। यजयशा॥ आसनन
॥ यद्मासनायनम॥ सिंहासनायनम॥ महिवास
नायनम॥ सूहासनायनम॥ निष्ठुकासनायन
म॥ जियाऊ नि॥ ज० डौ नाजस्य थ द्मि ३३३

॥ वक्रायाऽपि वृत्तना ॥

चञ्चलनमदनिद्रुः ॐ ॥ सदा न क्र २ धं ० शं ० ॥
मुद्रदुःयादुका ॥ खर्जुनसम्युज ॥ धमकुवमि
॥ नगामूनसवृजर्न ॥ असनन ॥ अथा नासाकाः
यस्यादि ॥ त्रैज्यादिनाथमाययादुका ॥ द्रौरेव
नाथसनाययादुका ॥ श्रीसुमनाथसनाययादु

का ॥ द्रिं अमदकनाथसनाययादुका ॥ द्रौस्वा
हाव ॥ द्रियुनासनाययादुका ॥ वचदुमलुनाय
नम ॥ नं ॥ मलुनायनम ॥ द्रौवद्रिमदुनायनम
॥ द्रौस्वाहावद्रियुनासनाययादुका ॥ ववद्रियुनास
नाययादुका ॥ विंवा ॥ द्रियुनासनाययादुका ॥ नं ॥

इयुगमाययादुकां॥ॐॐॐ नयुगमाययादुः
कां॥संसदा भिवयुगमाययादुकां॥भिंभिवय
गमाययादुकां॥आन॥नुनिनलकंसुविनं.रुनि
नमनिमिनं.पूर्वदकांमूसीमी.उदुयवक्रमन.नि
नयनभुरुगं.वकायनंदमहास्य॥वददसंति

भुन.लजनिविनदिवे.आजदलुयुआनं.वदकादि
यानिजानं.जयमलियिबला.किनिदन्त्यवला॥
विज्ञानंदार्द्र.आगं.नविमभिवदना.जंकमाहस
जानं.वामाकावदिनारु.नयनिनदिननं.चादुय
यकन्त्यं.सांरुथाद्याजिनार्क.रुनिमनीकनकं

सूर्यकलानुबुधं। निवारुं मृदुमाना, धनमनि
नरुनं, श्रानवर्मनमामि॥ खद्योका नाजे नारा
नममूषकमलो, दित्यदादुलुखंलु, शुनैवक
यवजं, शुनिमलुविनमं, कलिकादं कदुस्त। नि
नाजं ककखलो, जं कन्धसदिना, यस्तकादलुका

यं, जकाददुलुका नाया, नवयलुविकिना, लिंज
ना लुखं कुडि॥ शुनिश्चानयुवम॥ जलुगनय
नयलु॥ जलं कनया नायकं॥ जलौ वषट्कायदं
॥ जलैव नकायलु॥ जलौ श्रुवदस्रनायलु॥ ज
ऊजागिनिशारु॥ जलौ निसाठनाथायदो॥

ASHA ARCHIVES

1.584

ASHA ARCHIVES

1.584

ॐ नमो नमो ॥ ॐ काना नला य ॥ ॐ
ॐ दियान वि ० ॐ दे ॐ नान नदना थ ॐ दे
स्व नियना म्वा ॥ ॐ यदुका ॥ ॐ श्री ज्ञान च ल म
हा वि ० ॐ ज्ञान स्व ॐ नान नदना थ ॐ ज्ञान स्व निय
ना म्वा ॐ यदुका ॥ ॐ नै मँ लै वँ नै यँ ॐ श्री यूर्नु गा

निमहा वि ० ॐ यूर्नु स्व नान नदना थ ॐ न स्व लिय ना
म्वा ॐ यदुका ॥ ॐ श्री काम नू य महा वि ० ॐ का
म स्व ॐ नान नदना थ ॐ काम स्व नियना म्वा ॐ य
दुका ॥ ॐ श्री क न नदना थ ॐ गग ना य ना ॐ वा
ॐ न थ य के का य ॐ यदुका ॥ ॐ ॐ मँ लै वँ नै यँ ॐ श्री

दनाथ. वन्ताकिनि. यनाम्नाया यादुर्का ॥ जंजु
वनामानन्दनाथ. नकायनाडुं कलं. युगचउ
स्काययादुर्का ॥ जंजुनादिविर्मनानन्दनाथ. मा
नं गियनाम्ना. गं विमलवर्क काययादुर्का ॥ जं
लंमंनंवलंयुं यिगानन्दनाथ. कुनधनियनावा

लंमं भ्रागुनूवउस्काययादुर्का ॥ जययागामहा
युं केन. ज्जुआ भ्राज्जुभिना जेमहा रेनवाय. वद्व
नि. सनिसहि नार्य यादुर्का ॥ जवाना नसिमाहा के
ॐ ॐ ॐ भ्राकुरुमाहा रेनवामाह धनिसकि. भदि
नाययादुर्का ॥ जकानायलमाहा केन. उडु भ्राचलु

मादारे नव. कामा निसकि. सहि नाय यादुकां ॥ ज
जइहास. मादारे नव. अम. भा. का. व. मादारे नव. वे. पु.
विसकि. सहि नाय यादुकां ॥ ज. जय. ना. यून. मादारे नव.
ॐ. भा. उम. के. मादारे नव. वा. ना. दि. भ. कि. सहि ना
य यादुकां ॥ ज. व. लि. ग. मादारे नव. व. व. भा. क. या. नि. स.

मादारे नव. ग. डा. नि. भ. कि. सहि नाय यादुकां ॥
ज. ज. ज. म. के. मादारे नव. अ. भ. भा. रि. ख. न. मादारे
नव. वा. म. भ. भ. कि. सहि नाय यादुकां ॥ ज. द. वि. को.
न. मादारे नव. अ. ज. भा. स. दा. न. मादारे नव. मा. दा.
ल. का. भ. कि. सहि नाय यादुकां ॥ ज. ज. ज. दि. ना.

[illegible]

गवनिष्कु अङ्कि कार्ये सुं। मुं। सुं उरु लन भू ज
धानामूर्त्ति कृच्छा कि नि र वि र्य मे म्। दम्। ध्रूं ध्रूं
यब्धि मञ्ज माय माहा माया ध्रा शि। शु। अङ्कि
काद व्या य धी या द्का यू ज या थू मि॥
खण्डान सम्यक्॥ यानि मूडा द भय न्॥ ध्व न

वलि॥ ननासिखा वृजयन्॥ अङ्गाङ्गी इन्द्राङ्गा
भिक्रस्वनमादा रनेवायः॥ अङ्गुळुङ्गुळु विः
के अम्बायादुका॥ धनं वलि॥ नना नियन्
विद्वजयन्॥ अङ्गाङ्गी सुसुमादा नियन्
नवि अयादुका॥ धनं वनि॥ ॥ अङ्गाङ्गी अङ्गाः

कूनगनस्वनायवनिगङ्गा २ स्वादा॥ अङ्गाङ्गी कूनव
नाणवदुक्थाय वनिगङ्गा २ स्वादा॥ यानथुदियधर्मा
दवि. मादा कानकनया नाय वनिगङ्गा २ स्वादा॥
अङ्गाङ्गी सर्वविदिङ्गी मनुजी आगजी जनजी सुद
ङ्गी अङ्गाङ्गी अकयन् यागिनिनी अयनिरु

वनिः पृथग्वनिः। प्रकाशनिः, दिशनिः, प्रिकुनिः, वडु
थयं वडु, सकासक, नवाकनिः, निजगमः
मिनिना, जथयनिः, मयायनिर्गा, गृह २ ममभिः
दि, अर्धनिर्द् ३ रुग्वनि गृह २ स्वादा ॥ वक्रं न वक्र
पुर्वलु, क्रियन् विनसदा, भिन्नु भिन्नुयव वा, नानु

प्रा, कृष्णनक्त, यलुदि भिनयन यर्चन यनया ॥ व
अनन्दाकनालं, कृन्कनक गिनि, गालुवगिष्ठस
भा, देविचक्रं विकिष्, स्वयमनिवनवा, वन्दुगारुण
नानु ॥ इदं वक्रा लुगावा, दिविगलनन, निष्कृन्
कुतलवा, याना नवाननवा, सनिलयवनया, यग

कूटस्मितावा॥ विथंजग यविभ दिव्ययनकः
 ना. यद्यवद्यादिकन. प्राणादद्या. सुधन. भूरुव
 लिविधिना. यादुविनद्ववद्या॥ साधुसिद्धयसर्व
 जसिधिसि. गवनि पूजा गृह २ ममसा नि काम
 साहा. ॐ मां वलि पूजा गृह २ ममसा नि कूट

निवानकाय॥

२१ रुद्र साहा॥ लाक माहा वलिन धूनक॥
 धूय. दिव. जाय॥ हका. नवभाया. मनु विथया
 उड॥ उद्यवभु. यादु साहा॥ मूनया द्वा साहा
 ॥ उनि॥ धा संव नात्या १ दि. निदवा समुर्व नमद
 संसादि॥ उको लात्यादि॥ धानमा यच संस वन
 वक्रानिकभन त्यादि

ला
 दि

त्यादि॥ मर्क देव त्यादि॥ स्यामानका त्यादि॥ ख
नेव का त्यादि॥ माया कुंदन नि त्यादि॥ आर्षव
नामंदनाथ त्यादि॥ कामाख्या विद्दवि त्यादि॥
यानावृक्ष कयालमज्ञान त्यादि॥ ४॥ शुक्र॥ ॥
नर्वन विनियोग॥ ५॥ कानक॥ वना विसृजन॥ ॥

२॥ संध्या याय ॥ १॥ ॐ शं स विद्या नत्वा य स्वा
॥ ॐ शं अत्र नत्वा य स्वा ॥ ॐ शं स विद्या नत्वा
य स्वा ॥ ॐ शं स सिवे नत्वा य स्वा ॥ ॐ शं स अ
स्त्राय रुद्र ॥ ॐ शं स कनिष्ठ य नम ॥ ॐ शं स अ
नामिका य स्वाहा ॥ ॐ शं स मध्याय का षट् ॥

ॐ शंभु नमः शिवाय ॥ ॐ शंभु नमः शिवाय ॥
ॐ शंभु नमः शिवाय ॥ ॐ शंभु नमः शिवाय ॥
ॐ शंभु नमः शिवाय ॥ ॐ शंभु नमः शिवाय ॥
ॐ शंभु नमः शिवाय ॥ ॐ शंभु नमः शिवाय ॥
ॐ शंभु नमः शिवाय ॥ ॐ शंभु नमः शिवाय ॥
ॐ शंभु नमः शिवाय ॥ ॐ शंभु नमः शिवाय ॥

ॐ शंभु नमः शिवाय ॥ ॐ शंभु नमः शिवाय ॥
ॐ शंभु नमः शिवाय ॥ ॐ शंभु नमः शिवाय ॥
ॐ शंभु नमः शिवाय ॥ ॐ शंभु नमः शिवाय ॥
ॐ शंभु नमः शिवाय ॥ ॐ शंभु नमः शिवाय ॥

आध्यानाद्द्वेष्टकाव्रजयनि, निमिना, रुदनि, शेवना, रि
कृत्वा, रुत्या, नर्स, शा, पुनत्र, यिम, रुसा, कस, वर्या, नित्र
दं ॥ ऐका, विन्द, नार्द, यनम, भिव, वेद, सो, श्वन, सूय
निना, साम, भ्रा, अद्रि, का, म्वा, रुव, उ, सू, वन, दा, रु, नि, दा
म, कि, दा, य ॥ ॥ सू, का, कं, द, न्द, सू, रा, यन, म, य, द, ग, ता

थाम, वा, र्व, य, सूर्य, का, ला, मा, दो, भि, वा, नं, वि, न, स, नि
रु, न, गं, लि, न, या, न, क, रा, वे, सा, मे, भ्रा, कू, द्रि, का, वे ॥ का
र्द्ध, नं, द, मा, कं, व्र, ज, नि, न, व, न, न्, या, गि, ना, थ, न, मा, गा, सा
भ, भ्रा, कू, द्रि, का, म्वा, रुव, उ, सू, व, ल, दा, रु, कि, दा, मू, नि, दा
य ॥ शा, या, सा, भुं, का, यि, तां, य, न, क, ल, म, दि, ता, ना, ज, न

मृथगरु. श्रीमज्जाला ५ ना के यु कटि तनि नय दनि न
वैवका ना ॥ वाम श्री पूर्व वि. ले मदन क न यु गा. स
मि ना का म न्या. सा भि श्री कृत्तिका वारु वरु भूवदा
उ कि दा मु नि जय ॥ ३ ॥ श्रीमज्जाली वृ आ द्व कि क मि
म ग वि म लं श्री दा का न गरु. वाम संभू नि य म्मा न नि

सूय वि म लं म नू रे न व सं यु य त्रा ॥ ना त्या न दा रि ना
वा च्य रु सि न व द ना त्या मि ना सु वि रु ना. सा भि श्री कृ
त्तिका म्मा रु वरु भू व न दा मु नि दा मु कि जय ॥ ५ ॥ ॐ
द्वा रू ना नि क्रि या रू ना नि वि ष ग वि यू ना. त्य कृ ना नि
य का ना. सि द्धा सि द्धा व न र्हि ष्य न क ल स हि ना. वा

वृणावत्युकात्रे ॥ बहिर्ज्ञाया जिनिर्हिउवत्त क
सहयासंमिनाविनयके सामभ्रात्रुकाभ्यारु
वउसुसुलदाकुनिनामुकिदाच ॥ ५ ॥ नद्वानागदव
यस्यारुवनिनियमिनाकुकिदादिद्यवा ५० प्रत्यं
ऊंवायना ऊंयभुनन्ननकंयंनंनयोमनिर्दा ॥ ६ ॥

मित्यागंकविलवन्नगनिदिवयिउसिद्धियुसि
द्विसामभ्रात्रुकाभ्यारुवउसुवनदाकुनिदामुटि
जये ॥ ७ ॥ नकायाकषुवभ्रदिमसभिषवलखा
निकयोविकचसंभूयायिनवभ्रसुनिककननि
रुयायनाथप्रससं ॥ ८ ॥ मारदवालनाभिनिजगुन

कविनामान ॥ कृष्णवर्मा. साम. श्री. कुट्टिका. म्बार्तु.
वत्सुवनदारुणिदाम्किदाव ॥ १॥ वक्रानोदिव
जशोनिदसूरुयदनावेषुवि. सुयसिद्धिदनिवना
हिमूलनियमधना निवृत्तजवलक्री ॥ याकामान
कन्या. यदुसितनमहाध्वय. यरुवा. साम

श्री. कुट्टिका. वारुवत्सुवनदारुणिजाम्किदा
व ॥ ८॥ ॐ नि. श्री. कुट्टिका. सु. क. समाय ॥
अथमत्ररूपसिधेये ॥ ह्या ॥ हं ववर्हसाहा ॥ जायभयंन
सहस्र ५००० ॥ षट्ग. जाय ॥ नमः. मुलं. स्वाहा ॥ स्वाहा. मुलं. स्वा
हा ॥ वौषट्. मुलं. स्वाहा ॥ कवचाय हुः. मुलं. स्वाहा ॥ नैत्रत्र

यवोषट्. मुलीत्वाहा॥ अष्टायफट्. मुलीत्वाहा॥ जायसीर्या
पीचमहन्त्र॥ अष्टादि१६॥ कँठ्वेष्टादि ३५ लोमविरोमजाय
अष्टा१६ अष्टा१६ कँठ्वेष्टादि ३५ क्षंहं ३५ मुलीत्वाहा॥ एकमतजा
पसीर्या॥ गायत्री. मुली॥ एकमहन्त्रजायसीर्या॥ मुलम
त्रजाय॥ लक्षयकजायसीर्या॥ धुलीजाययातमाः

याङ्गगु. मन्त्रमिधि जुई॥ इतित्रयोदशमं मन्त्रे मन्त्रमिद्धि
रुपा. याणायमन्त्र. दोल ५०००॥ षड्गु. दोल ५०००॥ अष्टादि॥
अष्टा१६ कँठ्वेष्टादि ३५ लोम. विलोम. मन्त्राङ्गव॥ मरु१००॥
गायत्री. दोल १०००॥ मुलमन्त्र॥ लक १०००००॥ धुलिज
यातमा॥ याङ्गगु. देवतायमन्त्रमिद्धि जुईव॥